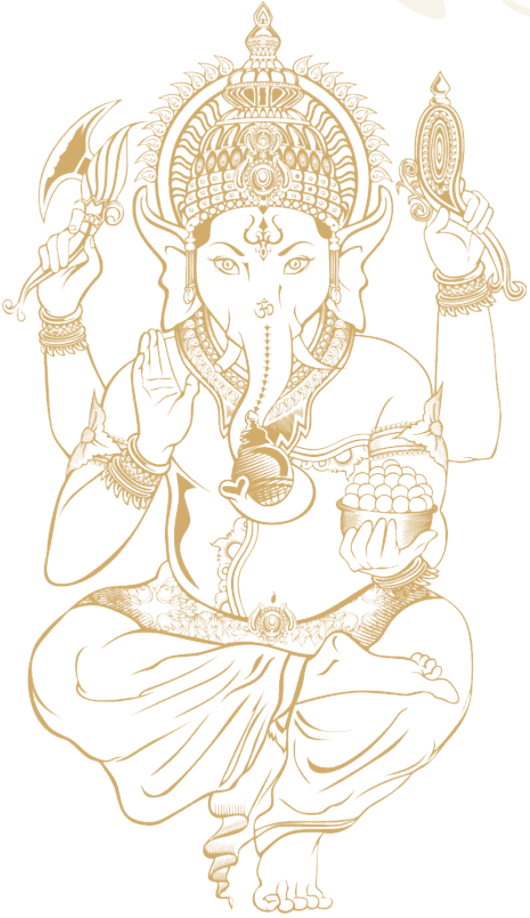

Jwala

17 Oct 2000

11:00 AM

Chandauli

Model: web-freekundliweb

Order No: 121738905

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**17/10/2000**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**11:00:00 घंटे**
इष्ट	12:38:52 घटी
स्थान	**Chandauli**
राज्य	West Bengal
देश	India

अक्षांश	25:15:00 उत्तर
रेखांश	83:17:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:03:08 घंटे
वेलान्तर	00:14:41 घंटे
साम्पातिक काल	12:47:15 घंटे
सूर्योदय	05:56:27 घंटे
सूर्यास्त	17:27:43 घंटे
दिनमान	11:31:16 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	00:17:03 तुला
लग्न के अंश	06:08:52 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**रोहिणी - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	वरियान
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	सर्प
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	वी-वीणा
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	तुला

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	06:08:52	331:26:00	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
सूर्य			तुला	00:17:03	00:59:32	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	बुध	नीच राशि
चंद्र			वृष	19:39:42	14:02:10	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	मूलत्रिकोण
मंगल			सिंह	25:04:26	00:37:20	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	मित्र राशि
बुध			तुला	21:49:27	00:09:50	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	मित्र राशि
गुरु	व		वृष	16:50:55	00:03:31	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			वृश्चि	03:40:02	01:12:53	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
शनि	व		वृष	06:04:08	00:03:27	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	25:33:38	00:04:36	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	उच्च राशि
केतु	व		धनु	25:33:38	00:04:36	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	उच्च राशि
हर्ष	व		मक	23:04:08	00:00:28	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	सूर्य	---
नेप			मक	09:55:40	00:00:03	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	17:09:42	00:01:44	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			कन्या	18:58:40	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:48

लग्न-चलित

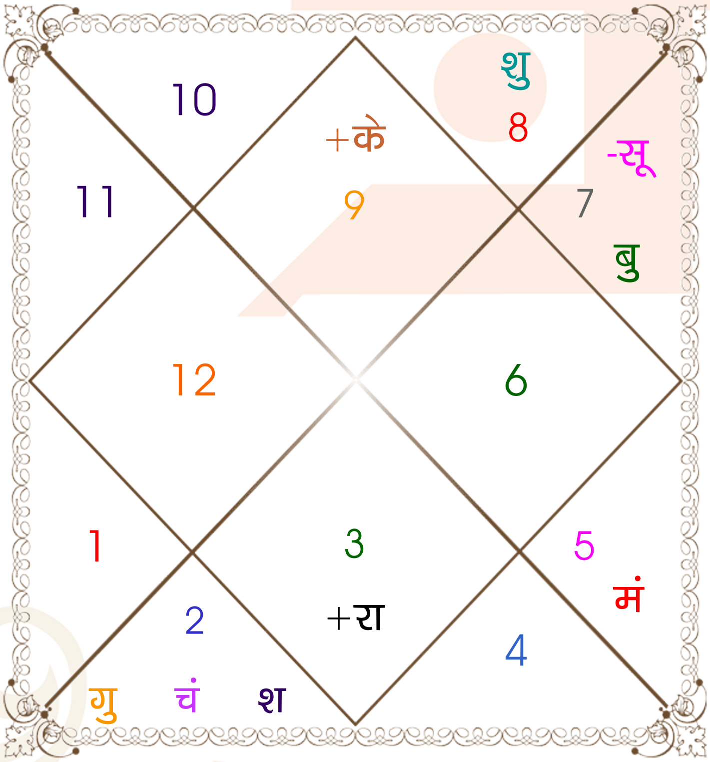

चन्द्र कुंडली

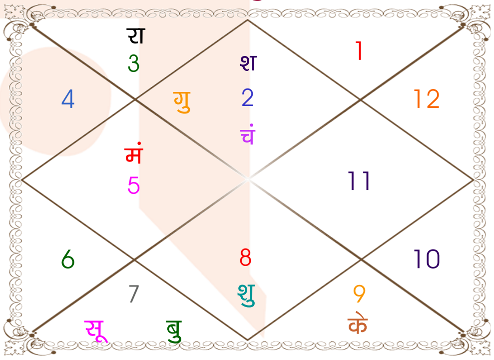

नवमांश कुंडली

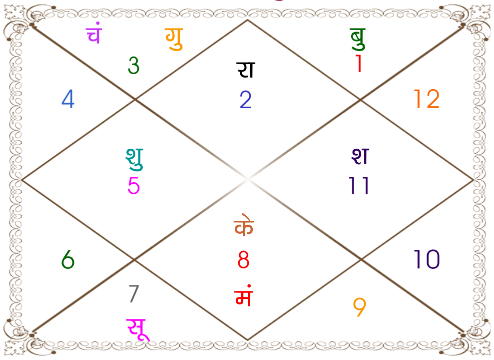

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 2 वर्ष 9 मास 1 दिन

चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष
17/10/2000	**20/07/2003**	**20/07/2010**	**19/07/2028**	**19/07/2044**
20/07/2003	**20/07/2010**	**19/07/2028**	**19/07/2044**	**20/07/2063**
00/00/0000	मंगल 16/12/2003	राहु 01/04/2013	गुरु 06/09/2030	शनि 23/07/2047
00/00/0000	राहु 02/01/2005	गुरु 25/08/2015	शनि 20/03/2033	बुध 01/04/2050
00/00/0000	गुरु 09/12/2005	शनि 01/07/2018	बुध 25/06/2035	केतु 11/05/2051
00/00/0000	शनि 18/01/2007	बुध 18/01/2021	केतु 31/05/2036	शुक्र 10/07/2054
17/10/2000	बुध 15/01/2008	केतु 05/02/2022	शुक्र 30/01/2039	सूर्य 22/06/2055
बुध 18/10/2000	केतु 13/06/2008	शुक्र 05/02/2025	सूर्य 19/11/2039	चंद्र 21/01/2057
केतु 19/05/2001	शुक्र 13/08/2009	सूर्य 31/12/2025	चंद्र 20/03/2041	मंगल 02/03/2058
शुक्र 18/01/2003	सूर्य 18/12/2009	चंद्र 02/07/2027	मंगल 23/02/2042	राहु 05/01/2061
सूर्य 20/07/2003	चंद्र 20/07/2010	मंगल 19/07/2028	राहु 19/07/2044	गुरु 20/07/2063

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
20/07/2063	**19/07/2080**	**20/07/2087**	**21/07/2107**	**20/07/2113**
19/07/2080	**20/07/2087**	**21/07/2107**	**20/07/2113**	**00/00/0000**
बुध 15/12/2065	केतु 15/12/2080	शुक्र 18/11/2090	सूर्य 07/11/2107	चंद्र 21/05/2114
केतु 13/12/2066	शुक्र 14/02/2082	सूर्य 19/11/2091	चंद्र 08/05/2108	मंगल 20/12/2114
शुक्र 13/10/2069	सूर्य 22/06/2082	चंद्र 19/07/2093	मंगल 13/09/2108	राहु 20/06/2116
सूर्य 19/08/2070	चंद्र 21/01/2083	मंगल 18/09/2094	राहु 08/08/2109	गुरु 20/10/2117
चंद्र 18/01/2072	मंगल 19/06/2083	राहु 18/09/2097	गुरु 27/05/2110	शनि 21/05/2119
मंगल 15/01/2073	राहु 07/07/2084	गुरु 20/05/2100	शनि 09/05/2111	बुध 18/10/2120
राहु 04/08/2075	गुरु 13/06/2085	शनि 21/07/2103	बुध 14/03/2112	00/00/0000
गुरु 09/11/2077	शनि 23/07/2086	बुध 21/05/2106	केतु 20/07/2112	00/00/0000
शनि 19/07/2080	बुध 20/07/2087	केतु 21/07/2107	शुक्र 20/07/2113	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 2 वर्ष 8 मा 30 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मूल नक्षत्र के द्वितीय चरण में धनु लग्न में हुआ था। धनु लग्नोदित काल मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ राशि का नवमांश एवं धनु राशि में द्रेष्काण के प्रभाव से ज्योतिषीय आकृति यह स्पष्ट करता है कि आपका संपूर्ण जीवन आरामदायक बीतेगा। यह ज्योतिषीय तथ्यों द्वारा प्रमाणित है।

आप शारीरिक, अर्थिक एवं भोग विलास से युक्त जीवन बिताने के लिए भगवान द्वारा प्रदत्त वरदानों के अनुरूप सुखी रहेंगी। आप स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक जीवन व्यतीत करेंगी। यदि कोई आपको हानि पहुंचाये अथवा पीड़ा पहुंचाये तो निष्कट भाव से उसे परास्त कर देंगी। यथा आप किसी भी विषय में अपनी राय स्पष्ट रूप से व्यक्त कर देंगी। आप मात्र विश्वसनीयता पूर्वक ऐसा वक्तव्य देंगी। निश्चयपूर्वक सभी लोग इस प्रवृति को पसंद नहीं करेंगे। अतएव आप अपनी भाषा पर निगरानी रखें।

आप धन प्राप्ति के पश्चात् परम प्रकृति पुरुष अर्थात् ईश्वर एवं धर्म के संबंध में विचार करके आप धर्म एवं दर्शन के प्रति सफलता प्राप्त कर सकेंगी। यह संभाव्य है कि आप अपनी आयु के 27 वें वर्ष अथवा 31 वे वर्ष की आयु में हवा में गिरा फल के समान धन प्राप्त करेंगी। अर्थात् आकस्मिक रूप से धनी हो जाएंगी।

निःसंदेह आप अपने परिवार एवं बच्चों के प्रति तथा उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अच्छी प्रकार चिंतन करेंगी तथा परिवारिक सुख प्राप्ति में अभिरूचि लेंगी। परंतु आप उनके साथ अधिक समय व्यतीत करने में सक्षम नहीं होंगी, क्योंकि आपका अधिक समय यात्रा करने, मार्केटिंग करने, खेलकूद में व्यस्त रहने अथवा बाहरी कार्यक्रम में व्यस्त रहेगा। तथापि आप अपने समझदार पति एवं उदीयमान पुत्रों से युक्त होंगी।

आप जब कभी भी किसी कार्य के प्रारंभ करने के हस्ताक्षरित करेंगी,उस कार्य को प्रति उत्पन्नमति से संपादित कर सफल हो जाएंगी। आप अधिक से अधिक लोगों द्वारा आनंद प्राप्त करेंगी। आपमें अंतःप्रज्ञा की शक्ति निहित है। आपकी अधिकाधिक भविष्यवाणी की आकृति अनुमानित सच्चाई पर विचारणीय होती है। इस अच्छे गुण को अच्छी प्रकार कार्यान्वित करने के गुण आपमें विद्यमान है। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु सुगमतापूर्वक अपेक्षित एवं अनुकूल संपादन करेंगी।

आप सदैव ही कुछ न कुछ कार्य करती रहेंगी। फिर भी सभी को कुछ न कुछ अभावग्रस्त रहना ही पड़ेगा। आप अपनी किसी भी प्रकार की समस्या को अच्छी प्रकार संभालने के लिए समर्थ होंगी। यद्यपि आप प्रायः सभी दृष्टिकोण से आशावान रहेंगी। परंतु आपका स्वास्थ्य किसी न किसी विंदु पर चिन्ताजनक होगा। आप निश्चय पूर्वक अच्छे स्वास्थ्य का आनन्द अवश्य ही प्राप्त करेंगी। परंतु ऐसी आशंका है कि आप गठिया वायु रोग, जुकाम, सर्दी एवं कफ जनित रोग तथा हड्डी रोग से संबंधित समस्याएं से प्रभावित हो सकती हैं।

आपके लिए रंगों में सफेद क्रीम रंग, नीला, सूआपंखी, नारंगी एवं हरा रंग आपके

लिए अनुकूल एवं भाग्यशाली है। परंतु रंग लाल, काला एवं मोतिया रंग अनुपयुक्त हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है, जबकि अंक 2, 7 एवं 9 अंक आपके लिए त्यागनीय है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

परंतु सोमवार एवं मंगलवार का दिन आपके हित सर्वथा त्याजनीय है।